**अ नु शा स न**

मनुष्य के चारित्रिक उत्थान, जीवन की सफलता एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। अनुशासन की डोर से बंधे होने पर हम निरंतर सफलता की ओर अग्रसर रहते हैँ। वहीं इसके अभाव में हम प्रतिदिन अव्यवस्था से घिरते चले जाते हैं।

यद्यपि जीवन में अनुशासन का समावेश करना एक कठिन कार्य है, किंतु यदि मनुष्य अनुशासित होकर जीना सीख ले, तो ऐसे व्यक्ति के लिए जीवन के प्रत्येक क्षण उत्सव समान हो जाता है।

इतिहास में हमारे देश में कई ऐसे महापुरुषों का जन्म हो चुका है, जिन्होंने अनुशासन के बल पर कठिन से कठिन चुनौतियों का ढृढ़तापूर्वक मुकाबला किया। गांधी जी ने अनुशासित रह कर ही सत्य और अहिंसा की लडाई सफलतापूर्वक लड़ी। ऐसे महापुरूषों पर हमें गर्व है।